श्याम धणी सा ना कोई | By Vivek Aggarwal

श्याम धणी सा,ना कोई दातार है
यकी ना आए,ढूँढ़ लो संसार है
हारे का सहारा,शीश का है दानी
दीनो के भरता,सदा भंडार है

श्याम की चौखट पे आ,बिगड़ी बना देगा
कैसी भी मुश्किल हो,जड़ से ये मिटा देगा
ऐसा...ऐसा ये मेरा,बाबा लखदातार है
यकी ना आए ढूँढ़.....

बाबा अपने प्रेमी का,विश्वास ना तोड़े
उनकी डूबती नैय्या को,मंझधार ना छोड़े
इस जैसा... इस जैसा ना देखा,खेवनहार है
यकी ना आए ढूँढ़.....

हार कर जो जिन्दगी से,हो जाते परेशान
गिरने ना देता अंधियारी,राहों में रखता ध्यान
भक्तो... भक्तो सुन लो जग का,ये पालनहार है
यकी ना आए ढूंढ.....

"रूबी रिधम" को है भरोसा,श्याम पे भारी
बस इतनी चाहत गुण गाते,बीते उम्र सारी
सच्चा...सच्चा मेरे,श्याम का दरबार है
यकी ना आए ढूँढ़.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-by-vivek-aggarwal/